**S.S. COLLEGE, JEHANABAD**
**( GEOGRAPHY DEPARTMENT )**

***B.A. PART - 1 ( PHYSICAL GEOGRAPHY : PAPER - 1)***

***TOPIC : RELIEF OF THE ATLANTIC OCEAN FLOOR***

***( अटलांटिक महासागर का तल उच्चावच )***

- **Prof. KUMARI NISHA RANI**

## अटलांटिक महासागर का तल उच्चावच (Atlantic Ocean Floor Mark):

इसकी आकृति अंग्रेजी के एस (S) अक्षर से मिलता है । इसके चारों ओर विभिन्न चौड़ाइयों वाली महाद्वीपीय मग्नतट स्थित है । अफ्रीका के तट के समीप इसकी चौड़ाई 80 से 160 कि.मी. तक है किन्तु उत्तर-पूर्व अमेरिका और उत्तर-पश्चिमी यूरोप के तटों के समीप इसकी चौड़ाई 250 से 400 किमी. तक है ।

अटलांटिक महासागर के दोनों किनारों पर विशेषकर उत्तरी भाग मे अनेक तटीय सागर है जो मग्न तटों पर स्थित है उदाहरणतः हडसन की खाड़ी, बाल्टिक सागर, उत्तरी सागर आदि ।

अटलांटिक महासागर का मुख्य आकर्षक लक्षण मध्य अटलांटिक कटक है । यह एस (S) अक्षर की आकृति बनाते हुए उत्तर से दक्षिण तक विस्तृत है तथा अटलांटिक को अपने दोनों ओर दो गहरे बेसिनों में बाँटता है । यह कटक 14,000 किमी. लंबा तथा लगभग 4,000 मी. ऊँचा है । इसकी उत्पत्ति का संबंध भी प्लेट टेक्टोनिक्स की रचनात्मक प्रक्रिया से जोड़ा जाता है ।

Prof.Kumari Nisha Rani

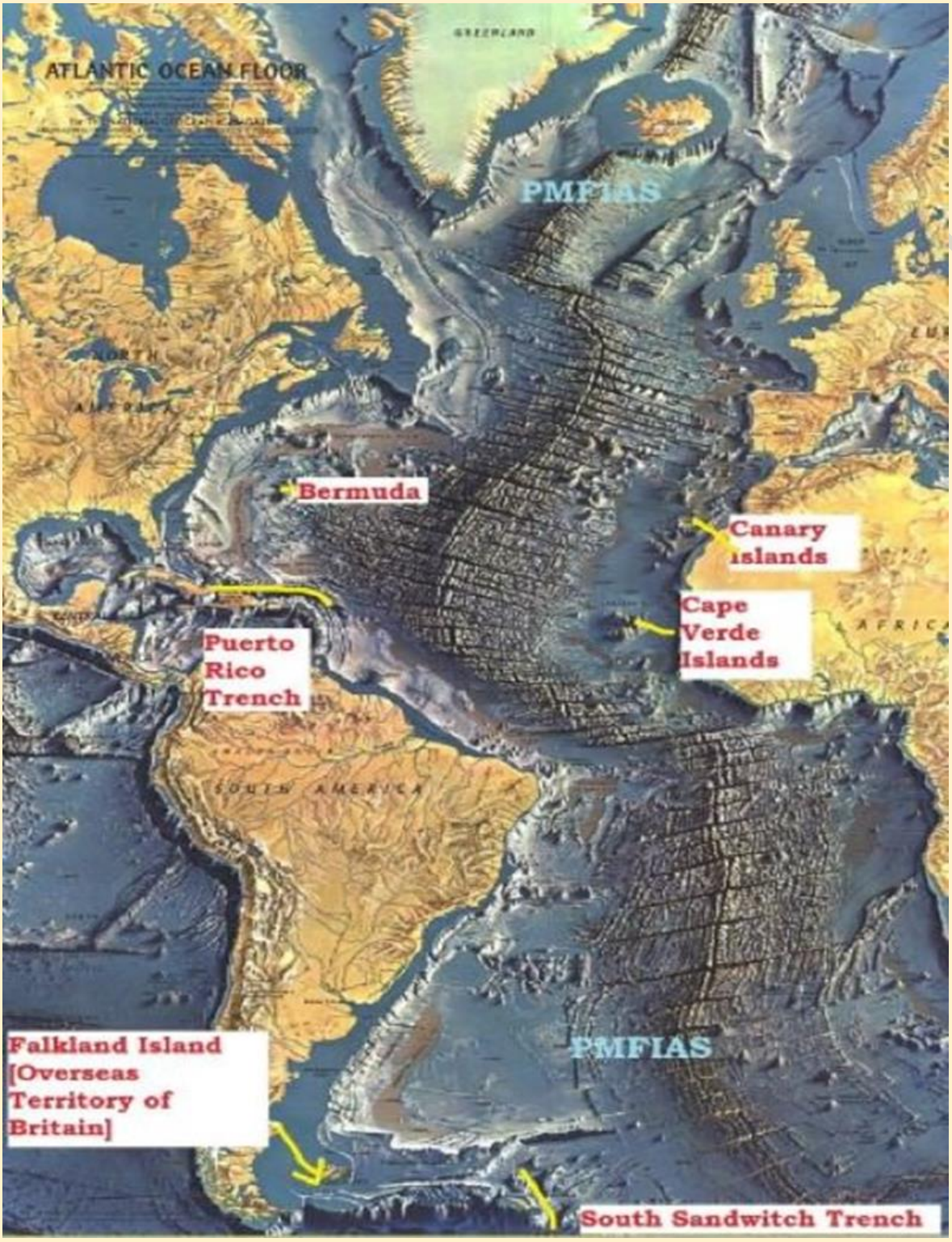
ATLANTIC OCEAN FLOOR
PMFIAS
Bermuda
Canary Islands
Cape Verde Islands
Puerto Rico Trench
Falkland Island [Overseas Territory of Britain]
PMFIAS
South Sandwitch Trench

कटक के दोनों ओर की ढालें बहुत ही मंद है । यद्यपि यह जलमग्न कटक है परन्तु इसकी अनेक चोटियाँ महासागरीय जल-स्तर से ऊपर निकली हुई है । वास्तव में ये चोटियाँ ही मध्य अटलांटिक के द्वीप है । एजोर्स का पाइको द्वीप तथा केप वर्डे द्वीप इसके उदाहरण हैं ।

इसके अलावा बरमुडा जैसे कुछ प्रवाल द्वीप तथा असेंसन, त्रिस्ता-दि-कुन्हा, सेंट हेलेना और गुआ सरीखे अनेक ज्वालामुखी द्वीप भी है । गर्त और द्रोणियाँ जो कि विनाशात्मक प्लेट होने के कारण प्रशांत महासागर की प्रमुख विशेषताएँ हैं, अटलांटिक महासागर में बहुत त्रक्म पाई जाती हैं । यहाँ उत्तरी केमन तथा पोर्टोरिको नामक दो द्रोणियाँ एवं रोमांश और दक्षिणी सैंडविच नामक दो गर्तें हैं ।

_____*_____*_____

Prof.Kumari Nisha Rani